
वे आ रहे हैं.....
PART 1
BY
Rahul
Kumar


वे आ रहे हैं...
Part 1: एटर्ना कोर
जब एक रहस्य जागता है...
Written by
RAHUL KUMAR

Disclaimer

The information contained in this e-book is for entertainment and fictional purposes only. The scientific concepts, spacecraft technology (Prajna-7), and planetary descriptions (Arvinics) are products of the author's imagination and do not reflect real-world scientific data or future predictions by any space agency.

While every effort has been made to ensure the flow of the narrative, the author and publisher assume no responsibility for errors or omissions. The use of AI-generated imagery and concepts is intended to enhance the storytelling experience and does not represent actual historical or future events.

Copyright Notice

Author: Rahul Kumar First Edition: March 2026

परिचय

कुछ कहानियाँ सिर्फ पढ़ी नहीं जातीं... उन्हें महसूस किया जाता है।

यह कहानी एक ऐसे सफर की है—

जहाँ इंसान ने पहली बार उस चीज़ को छुआ,

जिसे शायद उसे कभी छूना नहीं चाहिए था।एक अज्ञात ग्रहएक रहस्यमयी ऊर्जा...

और एक फैसला, जिसने सब कुछ बदल दिया।

क्या यह खोज थी... या एक गलती?

यह जानने के लिए—

आपको इस यात्रा का हिस्सा बनना होगा।

अब यह यात्रा शुरू होती है...

दूर आकाशगंगा के किनारे एक रहस्यमय ग्रह था—आर्यनिक्स। यह ग्रह पृथ्वी से हजारों प्रकाश-वर्ष दूर था। इसकी सतह पर बैंगनी रंग के जंगल, नीली चमकती नदियाँ और आसमान में तैरते हुए पहाड़ दिखाई देते थे। रात के समय पूरा ग्रह ऐसे चमकता था जैसे किसी ने आकाश में लाखों जुगनू छोड़ दिए हों।

पृथ्वी पर रहने वाला 16 वर्षीय अंतरिक्ष-प्रेमी लड़का आरव हमेशा से दूसरे ग्रहों की खोज का सपना देखता था। बचपन से ही वह तारों को देखता और सोचता था कि उन चमकते बिंदुओं के पीछे कितनी अनजानी दुनियाएँ छिपी होंगी।

एक दिन, पृथ्वी के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र में एक बड़ा मिशन घोषित हुआ
"ऑपरेशन आर्यनिक्स।"
वैज्ञानिकों ने एक नया अंतरिक्ष यान बनाया था, जिसका नाम था "प्रज्ञा–7"। यह यान इतनी तेज़ गति से यात्रा कर सकता था कि कुछ ही दिनों में दूर के ग्रहों तक पहुँच सके।

आरव के माता-पिता दोनों वैज्ञानिक थे। जब मिशन के लिए एक छोटे अन्वेषण दल का चयन किया गया, तो आश्चर्यजनक रूप से आरव का नाम भी सूची में था। उसकी तेज़ बुद्धि और अंतरिक्ष तकनीक की समझ ने वैज्ञानिकों को प्रभावित किया था।

लॉन्च के दिन विशाल अंतरिक्ष केंद्र पर हल्की ठंडी हवा चल रही थी।
सामने खड़ा "प्रज्ञा–7" यान धूप में चाँदी की तरह चमक रहा था।

आरव ने आसमान की ओर देखा। उसके दिल की धड़कन तेज़ थी, लेकिन आँखों में डर नहीं—सिर्फ उत्साह।

उसे पता नहीं था कि आर्यनिक्स पर उसका इंतज़ार केवल एक नया ग्रहनहीं, बल्कि ऐसा रहस्य कर रहा था जो पूरी आकाशगंगा की किस्मत बदल सकता था।



लॉन्च काउंटडाउन शुरू हो चुका था।
“दस... नौ... आठ...”
पूरे अंतरिक्ष केंद्र में मशीनों की आवाज़ और वैज्ञानिकों की तेज़ गतिविधियाँ गूँज रही थीं। आरव अपनी सीट पर बैठा हुआ था, उसके सामने चमकती स्क्रीन पर अंतरिक्ष यान के सभी सिस्टम दिखाई दे रहे थे।

“सभी सिस्टम सामान्य हैं,” मुख्य पायलट कैप्टन मीरा ने शांत आवाज़ में कहा।
आरव ने खिड़की से बाहर देखा। पृथ्वी का नीला आसमान धीरे-धीरे गहरा होता जा रहा था। उसे अपने घर, अपने शहर और अपने दोस्तों की याद आई, लेकिन उसके भीतर रोमांच की लहर उससे कहीं ज्यादा मजबूत थी।

"तीन... दो... एक... लॉन्च!"
अचानक ज़ोरदार कंपन के साथ प्रज्ञा–7 के इंजन जल उठे। विशाल अग्नि-लपटों के बीच अंतरिक्ष यान धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा।
कुछ ही मिनटों में वे बादलों के ऊपर थे। फिर पृथ्वी का वातावरण पीछे छूट गया और सामने अनंत अंतरिक्ष फैल गया—गहरा, शांत और रहस्यमय।
आरव की आँखें आश्चर्य से फैल गईं।

नीचे पृथ्वी अब एक नीली चमकती गेंद जैसी दिखाई दे रही थी।
"हम अब पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल रहे हैं," कैप्टन मीरा ने कहा।
वैज्ञानिक डॉ. करण, जो मिशन के प्रमुख थे, आरव की ओर मुस्कुराए।
"अब असली यात्रा शुरू होती है।"

आरव ने स्क्रीन पर चमकते सितारों की ओर देखा। उन हजारों तारों में कहीं एक था—**आर्यनिक्स।**
लेकिन जैसे ही यान ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए अपनी गति बढ़ाई, अचानक कंट्रोल पैनल पर एक अजीब संकेत चमक उठा।

एक अज्ञात ऊर्जा तरंग सीधे उनकी दिशा में आ रही थी... और किसी को नहीं पता था कि वह क्या थी।

कंट्रोल पैनल पर लाल रंग की चेतावनी लाइट लगातार चमक रही थी।
"यह क्या है?" आरव ने घबराकर पूछा।

कैप्टन मीरा ने तेजी से स्क्रीन पर डेटा देखा। उनकी भौंहें सिकुड़ गईं।
"यह कोई सामान्य अंतरिक्ष विकिरण नहीं है... इसकी ऊर्जा बहुत ज़्यादा है।"

डॉ. करण तुरंत अपने कंप्यूटर पर विश्लेषण करने लगे।
“यह ऊर्जा तरंग किसी प्राकृतिक स्रोत से नहीं लगती,” उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, “जैसे... किसी ने इसे भेजा हो।”
अंतरिक्ष यान के बाहर अंधेरा और गहरा हो गया था। दूर-दूर तक केवल सितारों की हल्की रोशनी दिखाई दे रही थी।

अचानक यान थोड़ा हिलने लगा।
“ऊर्जा तरंग हम तक पहुँचने वाली है,” मीरा ने कहा।
“सभी लोग तैयार रहें!”
कुछ ही सेकंड बाद चमकीली नीली रोशनी का एक विशाल बादल उनके सामने आ गया। ऐसा लग रहा था जैसे अंतरिक्ष में बिजली का तूफ़ान फैल गया हो।

प्रज्ञा–7 उस ऊर्जा क्षेत्र के बीच से गुजरने लगा।
यान के अंदर अलार्म बजने लगे।
“पावर सिस्टम में गड़बड़ी हो रही है!” आरव ने स्क्रीन देखते हुए कहा।
रोशनी इतनी तेज़ थी कि खिड़की से बाहर कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था।

फिर अचानक...
सब कुछ शांत हो गया।
अलार्म बंद हो गए। यान स्थिर हो गया।
कुछ सेकंड तक पूरे केबिन में गहरा सन्नाटा छाया रहा।
“हम... बच गए?” आरव ने धीरे से पूछा।
लेकिन उसी समय नेविगेशन स्क्रीन पर जो दिखाई दिया, उसे देखकर सभी चौंक गए।

उनका रास्ता बदल चुका था।
और सामने, अंधेरे अंतरिक्ष में, एक अजीब सा चमकता हुआ ग्रह धीरे-धीरे
 बड़ा होता जा रहा था—
वह था आर्यनिक्स।

नेविगेशन स्क्रीन पर आर्यनिक्स अब साफ दिखाई दे रहा था।
ग्रह की सतह से हल्की बैंगनी रोशनी निकल रही थी, और उसके चारों ओर चमकती धूल की एक पतली परत घूम रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे पूरा ग्रह किसी रहस्यमय ऊर्जा से घिरा हुआ हो।

“यह उम्मीद से कहीं ज्यादा जल्दी सामने आ गया,” डॉ. करण ने हैरानी से कहा।
कैप्टन मीरा ने कंट्रोल पैनल पर कुछ बटन दबाए।
“ऊर्जा तरंग ने हमारी दिशा बदल दी है। हम सीधे आर्यनिक्स की ओर खिंचते चले आए हैं।”
आरव खिड़की के पास आ गया। उसकी आँखों में उत्साह और जिज्ञासा दोनों थे।
“यह... सच में बहुत अलग दिखता है,” उसने धीरे से कहा।
जैसे-जैसे अंतरिक्ष यान ग्रह के करीब पहुँच रहा था, सतह के अजीब दृश्य साफ दिखाई देने लगे। वहाँ विशाल जंगल थे जिनके पेड़ चमकीले बैंगनी रंग के थे। कुछ जगहों पर बड़े-बड़े क्रिस्टल पहाड़ों की तरह जमीन से निकले हुए थे और उनमें से नीली रोशनी फैल रही थी।

लेकिन तभी डॉ. करण की नजर एक और चीज़ पर पड़ी।
“रुको... यहाँ कुछ और भी है।”
उन्होंने स्क्रीन को ज़ूम किया।

ग्रह की सतह पर एक विशाल गोल संरचना दिखाई दे रही थी। वह किसी प्राकृतिक चीज़ जैसी नहीं लग रही थी।

“यह तो... किसी इमारत जैसी लग रही है,” आरव ने आश्चर्य से कहा।

कैप्टन मीरा ने गंभीर आवाज़ में कहा,
“अगर यह सच में कोई संरचना है... तो इसका मतलब है कि इस ग्रह पर कभी कोई सभ्यता रही होगी।”

अंतरिक्ष यान धीरे-धीरे ग्रह के वातावरण में प्रवेश करने लगा।
बाहर बैंगनी बादल तेजी से गुजर रहे थे।

लेकिन किसी को यह अंदाज़ा नहीं था कि आर्यनिक्स की सतह पर सिर्फ रहस्य ही नहीं, बल्कि कुछ ऐसा भी छिपा था जो उनकी मौजूदगी को पहले ही महसूस कर चुका था।

प्रज्ञा–7 अब आर्यनिक्स के वातावरण में उतर रहा था।
अंतरिक्ष यान के चारों ओर बैंगनी रंग के घने बादल घूम रहे थे। खिड़कियों के बाहर अजीब बिजली जैसी चमक दिखाई दे रही थी, जो बादलों के अंदर ही अंदर चमककर गायब हो जाती थी।

“सावधान रहना होगा,” कैप्टन मीरा ने कहा।
“यह ग्रह का वातावरण सामान्य नहीं लगता।”
यान थोड़ा हिल रहा था, लेकिन उसकी उन्नत तकनीक उसे सुरक्षित नीचे ले जा रही थी।



कुछ मिनट बाद बादल धीरे-धीरे हटने लगे... और नीचे का दृश्य देखकर सभी चुप हो गए।

आर्यनिक्स की जमीन किसी दूसरी दुनिया जैसी लग रही थी।

बैंगनी जंगल दूर-दूर तक फैले हुए थे। पेड़ों की पत्तियाँ हल्की चमक रही थीं, जैसे उनमें खुद की रोशनी हो। नीली नदियाँ जंगलों के बीच से बह रही थीं और कहीं-कहीं जमीन से बड़े-बड़े क्रिस्टल के स्तंभ निकल रहे थे।

“यह तो... अविश्वसनीय है,” आरव ने धीमे स्वर में कहा।

डॉ. करण अपने उपकरणों से वातावरण का परीक्षण कर रहे थे।
“हवा में ऑक्सीजन मौजूद है... लेकिन कुछ अजीब ऊर्जा कण भी हैं।”

कैप्टन मीरा ने सामने एक खुला क्षेत्र देखा।
“वहाँ उतरना सुरक्षित लग रहा है।”

धीरे-धीरे प्रज्ञा–7 उस खुले मैदान की ओर उतरने लगा।

कुछ ही पलों बाद—
धड़ाम!
हल्के कंपन के साथ अंतरिक्ष यान आर्यनिक्स की जमीन पर उतर गया।
कुछ सेकंड तक कोई कुछ नहीं बोला।
फिर कैप्टन मीरा ने कहा,
“हम सफलतापूर्वक उतर चुके हैं।”
आरव का दिल तेजी से धड़क रहा था।
वह खिड़की से बाहर देख रहा था—एक बिल्कुल नई दुनिया उसकी आँखों के सामने थी।
लेकिन उसी समय, दूर जंगल के अंदर...
कुछ हल्का सा हिला।
जैसे कोई अज्ञात प्राणी पेड़ों के बीच से चुपचाप उन्हें देख रहा हो।

प्रज्ञा–7 के अंदर हल्की नीली रोशनी जल रही थी। सभी लोग अपनी सीटों से उठ चुके थे।

“पहले हमें सुरक्षा सूट पहनने होंगे,” डॉ. करण ने कहा।
हालाँकि हवा में ऑक्सीजन थी, लेकिन ग्रह के अजीब ऊर्जा कणों को देखते हुए सावधानी जरूरी थी। कुछ ही मिनटों में आरव, कैप्टन मीरा और डॉ. करण अपने हल्के अंतरिक्ष सूट पहन चुके थे।
कैप्टन मीरा ने यान का मुख्य दरवाज़ा खोलने से पहले बाहर के वातावरण को फिर से स्कैन किया।

“सब कुछ स्थिर है,” उन्होंने कहा।
“दरवाज़ा खोल रही हूँ।”
धीरे-धीरे यान का बड़ा दरवाज़ा खुलने लगा।

बाहर की हवा अंदर आई—ठंडी और हल्की चमक लिए हुए।
आरव ने सावधानी से पहला कदम बाहर रखा।
जमीन नरम थी, जैसे किसी अजीब काई से ढकी हो। उसके पैरों के नीचे हल्की नीली रोशनी चमक उठी, मानो जमीन उनकी मौजूदगी को महसूस कर रही हो।

“यह जमीन खुद रोशनी पैदा कर रही है,” आरव ने आश्चर्य से कहा।
चारों तरफ शांत जंगल फैला हुआ था। पेड़ों की ऊँचाई बहुत ज्यादा थी और उनकी शाखाएँ अजीब आकृतियों में मुड़ी हुई थीं। पत्तियों से हल्की चमक निकल रही थी जो पूरे इलाके को रहस्यमय बना रही थी।

डॉ. करण ने अपने स्कैनर से आसपास की चीज़ों को जाँचना शुरू किया।
“यहाँ जीवन के संकेत मौजूद हैं,” उन्होंने कहा।
“लेकिन वे बहुत दूर नहीं हैं...”
आरव ने तुरंत जंगल की ओर देखा।

उसी क्षण—
झाड़ियों के पीछे से एक परछाईं तेजी से हिली।
सब लोग एकदम रुक गए।

कुछ सेकंड तक सिर्फ हवा की हल्की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
फिर अचानक पेड़ों के बीच से दो चमकती हुई आँखें दिखाई दीं... और वे सीधे उनकी तरफ देख रही थीं।
जंगल के अंधेरे हिस्से में चमकती हुई आँखें कुछ क्षण तक स्थिर रहीं।
आरव की सांसें थोड़ी तेज़ हो गईं। उसने धीरे से कहा, “क्या आपने भी देखा...?”

कैप्टन मीरा ने तुरंत अपनी टॉर्च उस दिशा में घुमा दी। तेज़ सफेद रोशनी पेड़ों के बीच फैल गई, लेकिन वहाँ अब कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

“शायद कोई स्थानीय जीव होगा,” डॉ. करण ने शांत स्वर में कहा।
“इस ग्रह पर जीवन होने की संभावना पहले से ही थी।”

आरव अभी भी उसी दिशा में देख रहा था। उसे साफ लगा था कि कोई उन्हें देख रहा था... और वह चीज़ सामान्य नहीं थी।

कैप्टन मीरा ने आसपास का निरीक्षण किया।
“हमें ज्यादा दूर जाने से पहले इलाके का नक्शा बनाना चाहिए।”

उन्होंने अपने ड्रोन को सक्रिय किया। छोटा सा गोल ड्रोन हवा में उड़ने लगा और ऊपर से पूरे क्षेत्र को स्कैन करने लगा।

कुछ ही सेकंड में ड्रोन की स्क्रीन पर आसपास का नक्शा दिखाई देने लगा।

“देखो,” आरव ने उत्साहित होकर कहा।

स्क्रीन पर वही विशाल गोल संरचना दिखाई दे रही थी जिसे उन्होंने अंतरिक्ष से देखा था। वह यहाँ से बहुत दूर नहीं थी—शायद कुछ किलोमीटर के भीतर।

“वहीं से इस ग्रह का सबसे बड़ा रहस्य मिल सकता है,” डॉ. करण ने कहा।

कैप्टन मीरा ने फैसला किया,
“हम उस संरचना की ओर चलेंगे।”

तीनों धीरे-धीरे बैंगनी जंगल के अंदर आगे बढ़ने लगे।
पेड़ों के बीच हल्की नीली रोशनी फैली हुई थी, और जमीन पर अजीब चमकते पौधे उग रहे थे।
लेकिन जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे थे...
उन्हें पता नहीं था कि पेड़ों की ऊँचाई पर, घनी शाखाओं के बीच, कोई अज्ञात प्राणी चुपचाप उनका पीछा कर रहा था।

बैंगनी जंगल के अंदर का माहौल पहले से भी ज्यादा रहस्यमय था।

जैसे-जैसे आरव, कैप्टन मीरा और डॉ. करण आगे बढ़ रहे थे, पेड़ों की घनी शाखाएँ ऊपर मिलकर एक प्राकृतिक छत बना रही थीं। उसके बीच से हल्की नीली रोशनी नीचे गिर रही थी।

जमीन पर छोटे-छोटे चमकते पौधे उग रहे थे, और जब कोई उनके पास से गुजरता, तो वे हल्के से चमक उठते।

“यह ग्रह सच में जीवित लगता है,” आरव ने चारों तरफ देखते हुए कहा।

डॉ. करण अपने स्कैनर से लगातार डेटा इकट्ठा कर रहे थे।
“यहाँ की वनस्पतियाँ ऊर्जा उत्पन्न कर रही हैं... शायद इसी वजह से यह पूरा जंगल चमक रहा है।”

अचानक दूर से एक अजीब आवाज़ सुनाई दी।

हूऊऊ...

तीनों तुरंत रुक गए।
“यह किसकी आवाज़ थी?” आरव ने धीमे स्वर में पूछा।
कैप्टन मीरा ने सावधानी से आसपास देखा।

“पता नहीं... लेकिन यह हवा की आवाज़ नहीं है।”
जंगल फिर से शांत हो गया।
कुछ कदम और आगे बढ़ने के बाद पेड़ों के बीच से एक खुला क्षेत्र दिखाई देने लगा।

जैसे ही वे उस जगह पहुँचे, उनके सामने एक विशाल दृश्य था।
जमीन के बीचों-बीच वही गोल संरचना खड़ी थी जिसे उन्होंने ऊपर से देखा था।

वह किसी प्राचीन इमारत जैसी लग रही थी। उसकी दीवारें चमकते क्रिस्टल और काले धातु से बनी थीं। चारों ओर अजीब चिन्ह उकेरे हुए थे, जो हल्की नीली रोशनी से चमक रहे थे।
“यह निश्चित रूप से किसी सभ्यता की रचना है,” डॉ. करण ने आश्चर्य से कहा।

आरव धीरे-धीरे उस संरचना के पास गया।
जैसे ही उसने दीवार पर बने एक चमकते चिन्ह को छुआ—
अचानक पूरी संरचना में रोशनी दौड़ गई।
ज़मीन हल्की कांपी... और सामने की दीवार धीरे-धीरे खुलने लगी।
अंदर से गहरा अंधेरा दिखाई दे रहा था... जैसे किसी रहस्यमय जगह का द्वार खुल गया हो।



विशाल गोल संरचना का द्वार धीरे-धीरे खुलता गया।

अंदर से ठंडी हवा का एक झोंका बाहर आया। उस हवा में हल्की धातु जैसी गंध थी, जैसे यह जगह बहुत लंबे समय से बंद रही हो।

आरव, कैप्टन मीरा और डॉ. करण कुछ पल के लिए वहीं खड़े रहे।

“लगता है यह जगह अपने आप सक्रिय हो गई है,” डॉ. करण ने दीवार पर चमकते चिन्हों को देखते हुए कहा।

अंदर घुप अंधेरा था।

कैप्टन मीरा ने अपनी टॉर्च चालू की। सफेद रोशनी सामने के लंबे गलियारे में फैल गई। दीवारों पर अजीब आकृतियाँ और प्रतीक बने हुए थे, जो शायद किसी अनजान भाषा का हिस्सा थे।

“सावधानी से अंदर चलते हैं,” उन्होंने कहा।

तीनों धीरे-धीरे अंदर प्रवेश कर गए।

जैसे ही वे कुछ कदम आगे बढ़े, अचानक गलियारे की दीवारों पर लगी पतली रेखाएँ चमक उठीं। पूरी सुरंग नीली रोशनी से जगमगा उठी।
आरव ने चारों तरफ देखा।

“यह जगह... खुद रोशनी पैदा कर रही है,” उसने कहा।
दीवारों पर बने चिन्ह अब साफ दिखाई दे रहे थे। उनमें ग्रह, तारे और अजीब आकृतियों वाले प्राणी बने हुए थे।

डॉ. करण ने एक चित्र की ओर इशारा किया।
“देखो... यह शायद आर्यनिक्स के पुराने निवासी हैं।”
चित्र में लंबे, पतले शरीर वाले प्राणी दिख रहे थे जिनकी आँखें बड़ी और चमकदार थीं।

लेकिन उसी समय, गलियारे के अंदर कहीं गहराई से एक धीमी गूँजती आवाज़ सुनाई दी।
धम्म... धम्म...
जैसे कोई भारी चीज़ धीरे-धीरे हिल रही हो।
तीनों एकदम रुक गए।

आरव ने टॉर्च की रोशनी आगे डाली।
सुरंग के बहुत दूर... अंधेरे में...
कुछ बहुत बड़ा धीरे-धीरे हिलता हुआ दिखाई दे रहा था।

सुरंग के गहरे अंधेरे में वह विशाल परछाईं धीरे-धीरे हिल रही थी।

आरव ने टॉर्च की रोशनी थोड़ा और आगे बढ़ाई, लेकिन दूरी इतनी ज्यादा थी कि साफ दिखाई नहीं दे रहा था।

धम्म... धम्म...

वही भारी कदमों जैसी आवाज़ फिर गूँजी।

कैप्टन मीरा तुरंत सतर्क हो गईं।
"सभी लोग शांत रहो," उन्होंने धीमे स्वर में कहा।

डॉ. करण अपने स्कैनर को सक्रिय कर चुके थे। स्क्रीन पर अजीब संकेत दिखाई दे रहे थे।

"यहाँ अंदर बहुत ज़्यादा ऊर्जा है," उन्होंने कहा।
"लेकिन मैं यह नहीं समझ पा रहा कि वह चीज़ क्या है।"

अचानक सुरंग की दीवारों पर बनी नीली रेखाएँ तेज़ी से चमकने लगीं।

ऐसा लग रहा था जैसे यह पूरी संरचना किसी पुराने सिस्टम की तरह फिर से जाग रही हो।

आरव ने दीवारों पर बने चित्रों को ध्यान से देखा। उनमें वही लंबे अजीब प्राणी दिखाई दे रहे थे... लेकिन कुछ चित्रों में वे किसी विशाल मशीन या संरचना के सामने खड़े थे।

“क्या यह जगह किसी तरह की प्राचीन मशीन है?” आरव ने सोचा।
तभी सामने की परछाईं अचानक रुक गई।
कुछ सेकंड तक पूरा गलियारा बिल्कुल शांत रहा।
फिर धीरे-धीरे अंधेरे के बीच से दो चमकती हुई रोशनियाँ दिखाई दीं।

वे आँखों जैसी लग रही थीं।
आरव का दिल तेज़ी से धड़कने लगा।
जैसे-जैसे वह चीज़ आगे बढ़ी, उसकी आकृति थोड़ी साफ होने लगी।
वह कोई जानवर नहीं था... और न ही पूरी तरह मशीन।
वह कुछ अलग ही था।

अचानक उसकी आँखों की रोशनी और तेज़ हो गई।
और उसी क्षण पूरे गलियारे में एक गहरी, गूँजती हुई आवाज़ सुनाई दी
“अजनबी... तुमने इस स्थान को फिर से जगा दिया है...”

गहरी गूँजती आवाज़ पूरे गलियारे में फैल गई।
आरव, कैप्टन मीरा और डॉ. करण एकदम स्थिर खड़े रह गए।
अंधेरे से निकलकर वह आकृति अब धीरे-धीरे रोशनी में आ रही थी।
वह एक विशाल आकृति थी—लगभग तीन मीटर ऊँची। उसका शरीर किसी धातु और क्रिस्टल के मिश्रण जैसा लग रहा था। उसके कंधों और छाती में नीली ऊर्जा की पतली धाराएँ बह रही थीं, जो हल्की रोशनी पैदा कर रही थीं।

उसकी आँखें दो चमकते हुए गोल ऊर्जा स्रोत जैसी थीं।
आरव ने धीरे से कहा, “यह... कोई रोबोट है?”
डॉ. करण ध्यान से उसे देख रहे थे।
“शायद,” उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा,

“लेकिन यह बहुत पुरानी तकनीक लगती है... शायद इस ग्रह की प्राचीन सभ्यता की।”

वह आकृति कुछ कदम और आगे बढ़ी।

धम्म... धम्म...

उसके भारी कदमों की आवाज़ सुरंग में गूँज रही थी।

फिर वह उनके सामने रुक गई।

कुछ क्षण तक उसकी चमकती आँखें तीनों को देखती रहीं, जैसे वह उनका अध्ययन कर रही हो।

फिर वही गहरी आवाज़ फिर सुनाई दी—

“पहचान प्रक्रिया शुरू...”

उसकी आँखों की रोशनी अचानक तेज़ हो गई और एक नीली किरण बाहर निकली, जो सीधे आरव, मीरा और करण के ऊपर घूमने लगी।

आरव थोड़ा घबरा गया, लेकिन कैप्टन मीरा ने उसे शांत रहने का इशारा किया।



कुछ सेकंड बाद वह रोशनी वापस उसकी आँखों में समा गई।
फिर वह आकृति बोली—
“तुम इस ग्रह के निवासी नहीं हो…”
कुछ पल का सन्नाटा छा गया।

फिर उसने अगला वाक्य कहा—
“तो फिर तुम यहाँ क्यों आए हो… जब कि आर्यनिक्स हजारों साल पहले ही छोड़ दिया गया था?

उस विशाल यांत्रिक आकृति का सवाल सुनकर कुछ क्षण तक कोई कुछ नहीं बोला।
गलियारे में हल्की नीली रोशनी चमक रही थी और मशीन की आँखें अभी भी उन तीनों पर टिकी हुई थीं।

आखिरकार डॉ. करण ने धीरे से आगे कदम बढ़ाया।
“हम पृथ्वी से आए हैं,” उन्होंने शांत स्वर में कहा।
“हम इस ग्रह की खोज करने आए हैं।”

मशीन कुछ सेकंड तक बिल्कुल स्थिर रही। ऐसा लग रहा था जैसे वह उनकी बातों का विश्लेषण कर रही हो।
फिर उसकी आँखों की रोशनी थोड़ी बदल गई।
“पृथ्वी…” उसने धीरे से दोहराया।
“डेटा खोजा जा रहा है…”
कुछ पल बाद उसने कहा—
“रिकॉर्ड में पृथ्वी नाम का ग्रह दर्ज है… लेकिन यह जानकारी बहुत पुरानी है।”

आरव हैरान होकर बोला, “मतलब तुम्हें हमारे ग्रह के बारे में पहले से पता है?”
मशीन ने उसकी ओर देखा।
“हाँ। हजारों वर्ष पहले आर्यनिक्स की सभ्यता कई ग्रहों का अध्ययन कर रही थी... जिनमें पृथ्वी भी शामिल थी।”
यह सुनकर तीनों चौंक गए।
कैप्टन मीरा ने पूछा,
“तो फिर इस ग्रह के लोग कहाँ गए?”
कुछ सेकंड तक मशीन चुप रही।

फिर उसकी आवाज़ पहले से धीमी हो गई।
“आर्यनिक्स की सभ्यता एक महान प्रयोग पर काम कर रही थी...”
गलियारे की दीवारों पर बने चिन्ह अचानक तेज़ी से चमकने लगे।
मशीन ने आगे कहा—
“लेकिन उस प्रयोग ने ऐसी शक्ति को जन्म दिया... जिसे वे नियंत्रित नहीं कर पाए।”

आरव का दिल तेज़ी से धड़कने लगा।
“कौन सी शक्ति?” उसने पूछा।
मशीन की आँखों की रोशनी गहरी हो गई।
फिर उसने धीरे से कहा—
“वह शक्ति अभी भी इस ग्रह पर मौजूद है...”

मशीन के शब्द सुनकर गलियारे में गहरा सन्नाटा छा गया।
आरव ने धीरे से पूछा, “अगर वह शक्ति अभी भी यहाँ है... तो क्या वह खतरनाक है?”

मशीन कुछ क्षण तक शांत रही। उसकी आँखों की रोशनी हल्के-हल्के बदल रही थी, जैसे वह बहुत पुरानी यादों को खोज रही हो।

फिर उसने उत्तर दिया—

"हाँ। वह शक्ति अत्यंत शक्तिशाली है।"

दीवारों पर बने चिन्ह अचानक बदलने लगे। नीली रोशनी के साथ कुछ चित्र उभर आए—जैसे कोई पुरानी रिकॉर्डिंग चल रही हो।

आरव और बाकी दोनों ने ध्यान से देखा।

चित्रों में वही लंबे, पतले प्राणी दिखाई दे रहे थे—शायद आर्यनिक्स के असली निवासी। वे एक विशाल गोल मशीन के आसपास खड़े थे, जो तेज़ ऊर्जा से चमक रही थी।

डॉ. करण ने आश्चर्य से कहा, "यह कोई ऊर्जा जनरेटर जैसा लगता है..."

मशीन ने कहा—

"यह 'एटर्ना कोर' था... हमारी सभ्यता का सबसे शक्तिशाली ऊर्जा स्रोत।"

चित्रों में ऊर्जा मशीन और भी तेज़ चमकने लगी। फिर अचानक रोशनी बेकाबू हो गई।

कुछ ही क्षणों में पूरा दृश्य सफेद ऊर्जा से भर गया।

चित्र गायब हो गए।

मशीन ने धीरे से कहा—

"एटर्ना कोर नियंत्रण से बाहर हो गया था। उसकी ऊर्जा ने पूरे ग्रह को अस्थिर बना दिया।"

आरव ने घबराकर पूछा, "तो फिर क्या हुआ?"

मशीन की आवाज़ गहरी हो गई।

"हमारे लोगों को इस ग्रह को छोड़ना पड़ा... लेकिन कोर को पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सका।"

तीनों एक-दूसरे की ओर देखने लगे।
फिर मशीन ने सीधे आरव की ओर देखा।
उसकी आँखों की रोशनी अचानक तेज़ हो गई।
और उसने कहा—
“लेकिन अब... तुम्हारे आने से वह ऊर्जा फिर से सक्रिय होने लगी है।”

मशीन की बात सुनकर तीनों कुछ पल के लिए चुप रह गए।
“हमारे आने से?” आरव ने हैरानी से कहा।
“लेकिन हमने तो कुछ भी नहीं किया।”
मशीन धीरे-धीरे उनकी ओर मुड़ी। उसके शरीर के अंदर बहती नीली ऊर्जा हल्की चमक रही थी।
“तुम्हारा अंतरिक्ष यान जब इस ग्रह के पास पहुँचा... तब उसकी ऊर्जा तरंगों ने एटर्ना कोर के पुराने सिस्टम को जगा दिया।”
डॉ. करण ने तुरंत अपने टैबलेट पर डेटा देखना शुरू किया।
“शायद वही अजीब ऊर्जा तरंग थी जिसने हमारे यान की दिशा बदल दी थी,” उन्होंने कहा।
कैप्टन मीरा ने गंभीर आवाज़ में पूछा,
“अगर कोर फिर से सक्रिय हो रहा है... तो क्या होगा?”
मशीन कुछ सेकंड तक चुप रही।
फिर उसने कहा—
“अगर एटर्ना कोर पूरी तरह जाग गया... तो उसकी ऊर्जा इस पूरे ग्रह को नष्ट कर सकती है।”
आरव की आँखें चौड़ी हो गईं।
“मतलब... पूरा ग्रह?”
“हाँ,” मशीन ने उत्तर दिया।
“और संभव है कि उसका प्रभाव आसपास के अंतरिक्ष तक फैल जाए।”

गलियारे की दीवारों पर लगी नीली रोशनी अचानक थोड़ा तेज़ हो गई।
ऐसा लग रहा था जैसे पूरी संरचना के अंदर कहीं कोई विशाल ऊर्जा धीरे-धीरे जाग रही हो।

तभी मशीन ने हाथ उठाकर सुरंग के एक और रास्ते की ओर इशारा किया।
“एटर्ना कोर इस संरचना के सबसे गहरे हिस्से में है।”
आरव ने उस अंधेरे रास्ते की ओर देखा।
वहाँ से हल्की कंपन की आवाज़ आ रही थी।
धम्म... धम्म...

मशीन ने आगे कहा—
“अगर तुम सच में इस ग्रह की खोज करने आए हो... तो अब तुम्हें एक निर्णय लेना होगा।”

कैप्टन मीरा ने पूछा,
“कैसा निर्णय?”
मशीन की आँखें चमक उठीं।
“या तो तुम अभी अपने ग्रह पर वापस लौट जाओ...
या मेरे साथ आकर उस शक्ति का सामना करो जो आर्यनिक्स को नष्ट कर सकती है।”

सुरंग के अंदर हल्की कंपन अभी भी महसूस हो रही थी।
धम्म... धम्म...
ऐसा लग रहा था जैसे धरती के बहुत नीचे कोई विशाल ऊर्जा धीरे-धीरे जाग रही हो।
आरव ने कैप्टन मीरा और डॉ. करण की ओर देखा। तीनों समझ रहे थे कि यह फैसला आसान नहीं था।

कैप्टन मीरा कुछ क्षण तक सोचती रहीं। फिर उन्होंने दृढ़ आवाज़ में कहा,
"हम यहाँ सिर्फ देखने नहीं आए हैं। अगर इस ग्रह को बचाने का कोई तरीका है, तो हमें कोशिश करनी चाहिए।"
डॉ. करण ने सिर हिलाया।
"मैं सहमत हूँ। अगर एटर्ना कोर सच में इतना शक्तिशाली है, तो उसे समझना भी बहुत जरूरी है।"
आरव के अंदर डर और उत्साह दोनों थे। लेकिन उसने भी धीरे से कहा,
"मैं भी साथ चलूँगा।"

मशीन कुछ पल तक उन्हें देखती रही। फिर उसकी आँखों की रोशनी हल्की चमकने लगी।
"निर्णय स्वीकार किया गया।"
वह मुड़ी और सुरंग के उस अंधेरे रास्ते की ओर चलने लगी।
धम्म... धम्म...
उसके भारी कदमों की आवाज़ गूँज रही थी।
तीनों उसके पीछे चल पड़े|

जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, सुरंग पहले से ज्यादा गहरी और रहस्यमय होती जा रही थी। दीवारों पर बने चिन्ह अब तेज़ चमकने लगे थे, और हवा में हल्की ऊर्जा की गूंज महसूस हो रही थी।
कुछ देर बाद सुरंग अचानक एक विशाल कक्ष में खुल गई।
आरव ने जैसे ही अंदर कदम रखा, वह रुक गया।
कक्ष के बीचों-बीच हवा में तैरता हुआ एक विशाल ऊर्जा गोला चमक रहा था—नीले और सफेद प्रकाश से भरा हुआ।

वह इतनी तेज़ रोशनी दे रहा था कि पूरा कमरा चमक रहा था।
मशीन ने धीरे से कहा—
"यही है... एटर्ना कोर।"



विशाल कक्ष के बीच हवा में तैरता हुआ एटर्ना कोर लगातार चमक रहा था। उसके चारों ओर ऊर्जा की पतली लहरें घूम रही थीं, जैसे बिजली की चमक धीमी गति से हवा में तैर रही हो। हर कुछ सेकंड में उससे एक गहरी गूँज निकलती थी।
हम्म्मम...
आरव ने आश्चर्य से उस ऊर्जा गोले को देखा।
"यह तो... किसी छोटे सूरज जैसा लग रहा है।"
डॉ. करण तुरंत अपने स्कैनर से उसे जाँचने लगे। स्क्रीन पर लगातार बदलते हुए आँकड़े दिखाई दे रहे थे।
"इसमें ऊर्जा का स्तर बेहद ज़्यादा है," उन्होंने गंभीर स्वर में कहा।
"इतनी ऊर्जा से कई ग्रहों को शक्ति मिल सकती है।"
कैप्टन मीरा ने आसपास देखा। एटर्ना कोर के चारों ओर कई बड़े स्तंभ खड़े थे। उन स्तंभों में क्रिस्टल लगे थे जो नीली रोशनी से चमक रहे थे।

“शायद यही स्तंभ इसे नियंत्रित करते हैं,” उन्होंने अनुमान लगाया।

मशीन धीरे-धीरे कक्ष के केंद्र की ओर बढ़ी।

“सही,” उसने कहा।

“ये नियंत्रण स्तंभ एटर्ना कोर की ऊर्जा को स्थिर रखते हैं।”

लेकिन जैसे ही वह बोल रही थी, अचानक एक स्तंभ की रोशनी झपकने लगी।

फिर दूसरा।

फिर तीसरा।

डॉ. करण की स्क्रीन पर चेतावनी चमक उठी।

“ऊर्जा स्तर तेजी से बढ़ रहा है!” उन्होंने कहा।

एटर्ना कोर की चमक अचानक और तेज़ हो गई। कमरे की दीवारें हल्की कांपने लगीं।

हम्म्म्म... वूऊऊ...

मशीन की आवाज़ पहले से ज्यादा गंभीर हो गई।

“स्थिति अस्थिर हो रही है।”

आरव ने घबराकर पूछा,

“क्या इसे रोका जा सकता है?”

मशीन ने कोर की ओर देखते हुए कहा—

“शायद... लेकिन इसके लिए हमें मुख्य नियंत्रण कक्ष को सक्रिय करना होगा।”

कैप्टन मीरा ने तुरंत पूछा,

“वह कहाँ है?”

मशीन ने कक्ष की दूसरी ओर एक अंधेरी सुरंग की तरफ इशारा किया।

“वहीं... लेकिन वहाँ पहुँचना आसान नहीं होगा।”

एटर्नी कोर की रोशनी अब पहले से कहीं ज्यादा तेज़ हो चुकी थी।

पूरा कक्ष हल्के-हल्के कांप रहा था। ऊर्जा की लहरें हवा में घूम रही थीं, और कभी-कभी छोटे-छोटे बिजली जैसे चमकते झटके दिखाई दे रहे थे।

कैप्टन मीरा ने तुरंत निर्णय लिया।

“हमें जल्दी करना होगा,” उन्होंने कहा।

“अगर यह ऊर्जा और बढ़ी, तो यहाँ रुकना भी खतरनाक हो सकता है।”

मशीन सुरंग की ओर चल पड़ी।

धम्म... धम्म...

आरव, डॉ. करण और कैप्टन मीरा उसके पीछे तेजी से बढ़ने लगे।

सुरंग पहले से अलग थी। यहाँ दीवारों पर चमकती रेखाएँ लगातार दौड़ रही थीं, जैसे पूरा सिस्टम पूरी शक्ति से काम करने की कोशिश कर रहा हो।

अचानक सुरंग के अंदर कहीं से तेज़ आवाज़ आई।

क्र्र्र्र...

छत से कुछ छोटे धातु जैसे गोले नीचे उतरने लगे। वे हवा में तैरते हुए धीरे-धीरे उनकी ओर आने लगे।

आरव ने आश्चर्य से कहा,

“ये क्या हैं?”

मशीन तुरंत रुक गई।

“सुरक्षा ड्रोन।”

डॉ. करण ने कहा,

“मतलब इस जगह की रक्षा के लिए बनाए गए होंगे।”

लेकिन तभी उन गोल ड्रोन की आँखों जैसी लाल रोशनी जल उठी।

वे तेजी से उनकी ओर घूम गए।

मशीन की आवाज़ गूँज उठी—

“चेतावनी: अज्ञात घुसपैठियों की पहचान हो चुकी है।”

अगले ही पल ड्रोन से तेज़ ऊर्जा किरणें निकलने लगीं।

कैप्टन मीरा चिल्लाईं,
 “सभी लोग कवर लो!”
सुरंग में अचानक तेज़ रोशनी और आवाज़ों की गूंज भर गई—
और अब उन्हें सिर्फ एटर्ना कोर ही नहीं, बल्कि इस प्राचीन संरचना की सुरक्षा प्रणाली का भी सामना करना था।



सुरंग अचानक चमकती ऊर्जा किरणों से भर गई।
ज़्ज़्ट! ज़्ज़्ट!
लाल रोशनी वाले सुरक्षा ड्रोन तेजी से हवा में घूम रहे थे और उनके सेंसर सीधे आरव, मीरा और करण की ओर निशाना साध रहे थे।
“दीवार के पीछे!” कैप्टन मीरा ने तुरंत कहा।
तीनों जल्दी से सुरंग के किनारे बने एक बड़े धातु स्तंभ के पीछे छिप गए। ऊर्जा की किरणें दीवार से टकराकर चिंगारियाँ छोड़ रही थीं।
मशीन आगे बढ़ी।
उसकी आँखों की नीली रोशनी तेज़ हो गई।
“पहचान कोड सक्रिय किया जा रहा है...” उसने गहरी आवाज़ में कहा।
लेकिन ड्रोन रुकने के बजाय और तेज़ी से उनकी ओर आने लगे।

डॉ. करण ने अपने उपकरण की स्क्रीन देखी।
"इनका सिस्टम शायद बहुत पुराना है... ये हमें दुश्मन समझ रहे हैं।"
उसी समय एक ड्रोन तेजी से नीचे उतरा और सीधे उनकी ओर आया।
आरव ने घबराकर कहा,
"वह हमारे पास आ रहा है!"
मशीन ने अपना हाथ उठाया। उसकी हथेली से अचानक नीली ऊर्जा की एक लहर निकली।
वूऊश!
वह ऊर्जा सीधे ड्रोन से टकराई।

ड्रोन हवा में घूमते हुए दीवार से टकराया और जमीन पर गिरकर शांत हो गया।
लेकिन बाकी ड्रोन अभी भी सक्रिय थे।
वे अब और ज्यादा तेजी से घूमने लगे।
कैप्टन मीरा ने सुरंग के आगे देखा।
"वहाँ देखो!" उन्होंने कहा।

सुरंग के अंत में एक बड़ा गोल दरवाज़ा दिखाई दे रहा था, जिस पर चमकते हुए चिन्ह बने थे।
मशीन ने तुरंत कहा—
"वही मुख्य नियंत्रण कक्ष का प्रवेश द्वार है।"
आरव ने गहरी सांस ली।

लेकिन समस्या यह थी कि उस दरवाज़े तक पहुँचने से पहले उन्हें इन सभी सुरक्षा ड्रोन से बचकर गुजरना था।

सुरंग में सुरक्षा ड्रोन तेजी से घूम रहे थे। उनकी लाल आँखों जैसी रोशनी बार-बार चमक रही थी।

ज़्ज़्ट!

एक और ऊर्जा किरण दीवार से टकराई और चिंगारियाँ फैल गईं।

कैप्टन मीरा ने जल्दी से स्थिति का अंदाज़ा लगाया।

"अगर हम यहीं रुके रहे तो ये हमें घेर लेंगे," उन्होंने कहा।

आरव ने सुरंग के अंत में उस बड़े गोल दरवाज़े की ओर देखा। वह बहुत दूर नहीं था... लेकिन रास्ता पूरी तरह ड्रोन से भरा हुआ था।

मशीन ने कुछ सेकंड तक ड्रोन की गतिविधि का विश्लेषण किया।

फिर उसने कहा—

"इनके हमले के बीच कुछ सेकंड का अंतर है।"

डॉ. करण ने पूछा,

"मतलब?"

मशीन ने शांत स्वर में जवाब दिया—

"अगर हम सही समय पर आगे बढ़ें... तो हम दरवाज़े तक पहुँच सकते हैं।"

उसी समय एक ड्रोन तेजी से नीचे आया और उनके छिपने की जगह के पास मंडराने लगा।

आरव की सांसें तेज़ हो गईं।

मशीन ने धीरे से कहा—

"अब!"

तीनों तुरंत अपने छिपने की जगह से बाहर दौड़ पड़े।

ऊर्जा की एक किरण उनके पीछे दीवार से टकराई।

ज़्ज़्ट!

वे तेजी से सुरंग में आगे बढ़ते गए। ड्रोन तुरंत उनके पीछे घूमने लगे।

कुछ ही सेकंड में वे गोल दरवाज़े के पास पहुँच गए।

डॉ. करण ने देखा कि दरवाज़े के बीच में एक चमकता हुआ नियंत्रण पैनल था।

“शायद इसे सक्रिय करना होगा!” उन्होंने कहा।

मशीन तुरंत पैनल के सामने खड़ी हो गई। उसकी उंगलियाँ चमकने लगीं और उसने पैनल को छुआ।

अचानक दरवाज़े पर बने चिन्ह चमक उठे।

घ्र्र्र्र...

विशाल दरवाज़ा धीरे-धीरे खुलने लगा।

लेकिन उसी समय पीछे से ड्रोन तेजी से उनकी ओर आ रहे थे—

और दरवाज़ा अभी पूरी तरह खुला भी नहीं था।

विशाल गोल दरवाज़ा धीरे-धीरे खुल रहा था।

घ्र्र्र्र...

लेकिन पीछे से सुरक्षा ड्रोन तेजी से उनकी ओर बढ़ रहे थे। उनकी लाल रोशनी अब और भी तेज़ चमक रही थी।

“जल्दी अंदर!” कैप्टन मीरा ने कहा।

जैसे ही दरवाज़ा इतना खुला कि वे अंदर जा सकें, आरव, डॉ. करण और कैप्टन मीरा तुरंत अंदर दौड़ गए।

मशीन भी उनके पीछे अंदर आई।

उसी क्षण—

धड़ाम!

दरवाज़ा तेजी से बंद हो गया।

बाहर से ड्रोन की हल्की टकराने की आवाज़ सुनाई दी, लेकिन वे अब अंदर नहीं आ सकते थे।

कुछ सेकंड तक सब लोग वहीं खड़े गहरी सांस लेते रहे।

आरव ने चारों तरफ देखा।

यह कमरा पहले देखे गए कमरों से बिल्कुल अलग था।

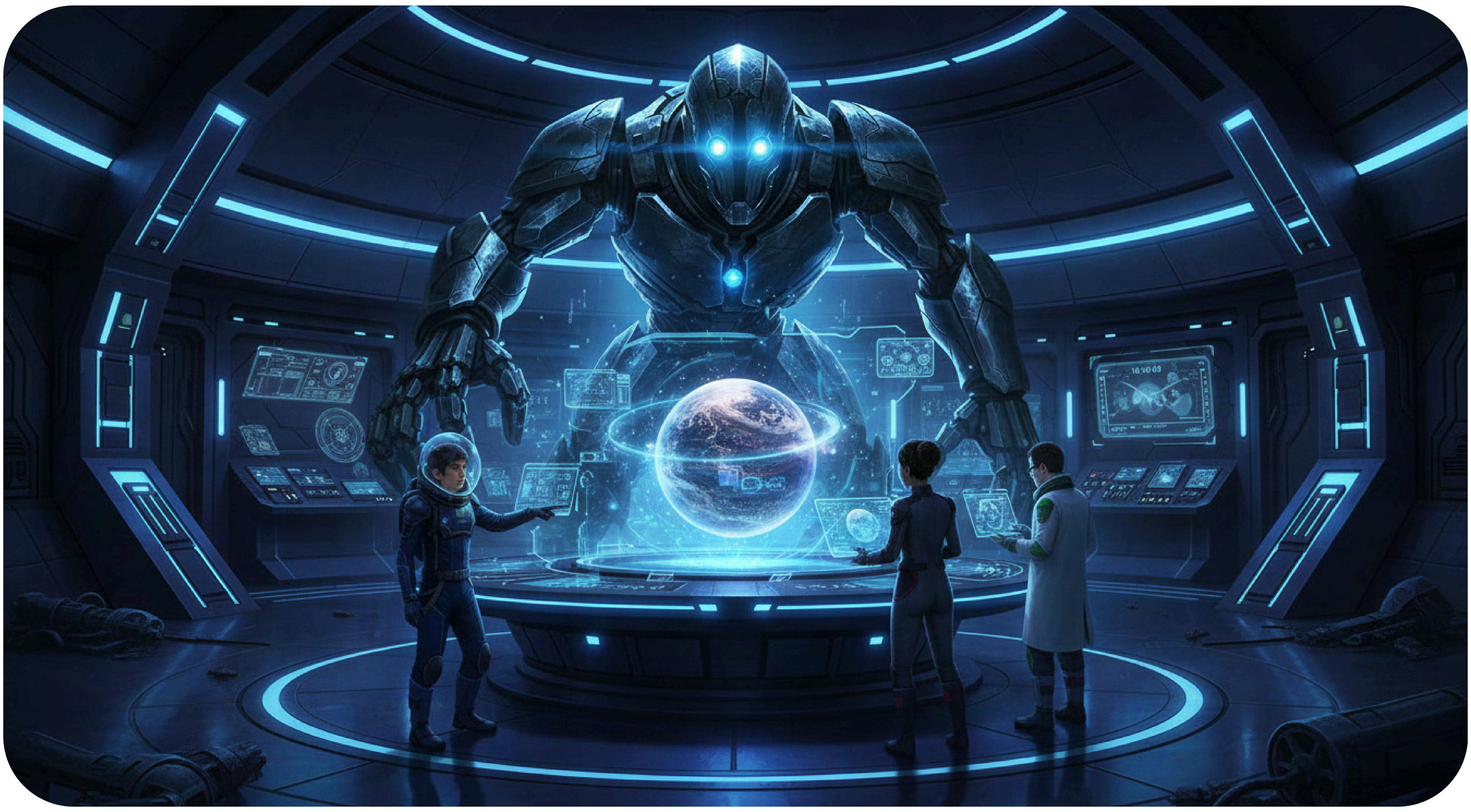
यह एक विशाल नियंत्रण कक्ष था। दीवारों पर बड़े-बड़े चमकते पैनल लगे हुए थे, और कमरे के बीच में एक गोल प्लेटफॉर्म था जिसके ऊपर एक पारदर्शी ऊर्जा स्क्रीन तैर रही थी।

उस स्क्रीन में पूरे ग्रह का एक त्रि-आयामी नक्शा दिखाई दे रहा था।

नीली ऊर्जा की रेखाएँ पूरे ग्रह के अलग-अलग हिस्सों में फैलती दिख रही थीं—और उनमें से ज्यादातर एक ही जगह की ओर जा रही थीं।

एटर्ना कोर।

डॉ. करण ने स्क्रीन को ध्यान से देखा।



“यह पूरा सिस्टम उसी कोर से जुड़ा हुआ है,” उन्होंने कहा।

मशीन धीरे-धीरे नियंत्रण पैनल के पास पहुँची।

“यह मुख्य नियंत्रण केंद्र है,” उसने कहा।

“यहीं से एटर्ना कोर को स्थिर किया जा सकता है।”

आरव ने उम्मीद से पूछा,

“तो हम इसे बंद कर सकते हैं?”

मशीन कुछ सेकंड तक स्क्रीन को देखती रही।
फिर उसने धीरे से कहा—
“कोर को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है...”
कमरे में सन्नाटा छा गया।
फिर उसने अगला वाक्य कहा—
“लेकिन उसे स्थिर करने के लिए किसी को उसके ऊर्जा कक्ष के अंदर जाना होगा।”

मशीन की बात सुनते ही कमरे में गहरा सन्नाटा छा गया।
आरव ने धीरे से पूछा,
“ऊर्जा कक्ष के अंदर? मतलब... एटर्ना कोर के पास?”
मशीन ने सिर हिलाया।
“हाँ। कोर के आसपास एक आंतरिक स्थिरीकरण प्रणाली है। उसे हाथ से सक्रिय करना होगा।”
डॉ. करण ने तुरंत स्क्रीन पर दिखाई दे रहे डेटा को देखा।
“लेकिन वहाँ की ऊर्जा बहुत ज्यादा है,” उन्होंने कहा।
“कोई भी सामान्य व्यक्ति वहाँ ज्यादा देर तक नहीं रह पाएगा।”
कैप्टन मीरा ने गंभीर स्वर में पूछा,
“तो फिर यह काम कौन कर सकता है?”
मशीन ने कुछ क्षण तक चुप रहकर जवाब दिया—
“मेरे सिस्टम उस ऊर्जा को सह सकते हैं... लेकिन मेरे कई हिस्से बहुत पुराने हो चुके हैं।”
आरव ने तुरंत कहा,
“फिर भी तुम कोशिश कर सकते हो।”
मशीन की आँखों की रोशनी हल्की चमकी।
“अगर मैं असफल हुआ... तो एटर्ना कोर और भी अस्थिर हो सकता है।”

उसी समय नियंत्रण कक्ष की स्क्रीन पर एक नई चेतावनी चमक उठी।
ऊर्जा स्तर बढ़ रहा है।
कमरे में हल्की कंपन महसूस होने लगी।
हम्म्म्म...

डॉ. करण ने घबराकर कहा,
"हमें जल्दी फैसला लेना होगा।"
कैप्टन मीरा ने मशीन की ओर देखा।
"अगर कोई और तरीका नहीं है," उन्होंने कहा,
"तो हमें तुम्हारी मदद करनी होगी।"
मशीन ने धीरे से उत्तर दिया—
"तब हमें तुरंत कोर कक्ष की ओर चलना होगा।"
आरव ने स्क्रीन पर फिर से एटर्नी कोर की चमकती ऊर्जा को देखा।
अब वह पहले से ज्यादा तेज़ चमक रहा था... जैसे उसकी शक्ति हर सेकंड बढ़ रही हो।

नियंत्रण कक्ष की स्क्रीन पर चेतावनी लगातार चमक रही थी।
ऊर्जा स्तर बढ़ रहा है।
कमरे में हल्की कंपन महसूस हो रही थी, जैसे पूरा ढाँचा एटर्नी कोर की शक्ति से कांप रहा हो।
कैप्टन मीरा ने दृढ़ आवाज़ में कहा,
"हमें तुरंत निकलना होगा।"
मशीन नियंत्रण पैनल के पास गई और अपनी उंगलियाँ उस पर रख दीं।
पैनल की नीली रोशनी तेजी से चमकने लगी।
कुछ सेकंड बाद कक्ष की एक और दीवार धीरे-धीरे खुलने लगी।
घ्र्र्र...

दीवार के पीछे एक संकरी लेकिन लंबी सुरंग दिखाई दी, जो नीचे की ओर जा रही थी।
मशीन ने कहा—
“यह रास्ता सीधे एटर्ना कोर के ऊर्जा कक्ष तक जाता है।”
आरव ने उस अंधेरी सुरंग की ओर देखा। नीचे से हल्की नीली रोशनी और गहरी गूँजती आवाज़ आ रही थी।
हम्म्म्म...

डॉ. करण ने अपने उपकरणों की जाँच की।
“जैसे-जैसे हम नीचे जाएंगे, ऊर्जा का स्तर बढ़ता जाएगा,” उन्होंने कहा।
कैप्टन मीरा ने सिर हिलाया।
“तो हमें जल्दी और सावधानी से आगे बढ़ना होगा।”
चारों धीरे-धीरे उस सुरंग में उतरने लगे।

यह रास्ता पहले की सुरंगों से अलग था। यहाँ दीवारों में पारदर्शी क्रिस्टल लगे थे जिनमें से नीली ऊर्जा बहती दिखाई दे रही थी।
जैसे-जैसे वे नीचे उतरते गए, रोशनी और तेज़ होती गई... और आवाज़ भी।
कुछ देर बाद सुरंग अचानक खत्म हो गई।
उनके सामने एक विशाल गोल कक्ष था।

उस कक्ष के बीचों-बीच एटर्ना कोर अब पहले से कहीं ज्यादा करीब दिखाई दे रहा था—एक विशाल चमकता हुआ ऊर्जा गोला।
लेकिन इस बार उन्होंने एक और चीज़ देखी।
कोर के चारों ओर कई ऊर्जा रेखाएँ अनियंत्रित तरीके से घूम रही थीं... जैसे वह धीरे-धीरे नियंत्रण से बाहर हो रहा हो।

एटर्नी कोर का ऊर्जा गोला अब उनके सामने लगभग छूने जितना करीब था। नीली और सफेद रोशनी उसकी सतह पर लगातार घूम रही थी। हर कुछ सेकंड में उसकी ऊर्जा की लहरें कक्ष की दीवारों तक पहुँच रही थीं।
आरव की सांसें तेज़ हो गईं।
“यह तो... बहुत खतरनाक लग रहा है। अगर हम ज्यादा पास गए...”

डॉ. करण ने उपकरणों को देखकर कहा,
“ऊर्जा स्तर अस्थिर है। अगर कोई भी गलती हुई, तो ये पूरा कक्ष... शायद पूरा ग्रह ही प्रभावित हो सकता है।”
कैप्टन मीरा ने दृढ़ होकर कहा,
“लेकिन हमें यही करना है। कोई और विकल्प नहीं है।”

मशीन ने उनके पास आकर कहा—
“मैं कोर के ऊर्जा कक्ष को स्थिर करने की कोशिश करूँगा, लेकिन मुझे सहयोग चाहिए। तुम लोग मुझे सुरक्षा के लिए घेरो।”
आरव ने हिम्मत जुटाई और कहा,
“हम तुम्हारे साथ हैं।”
तीनों मशीन के चारों ओर खड़े हो गए।

मशीन ने अपनी हथेली को हवा में उठाया और धीरे-धीरे ऊर्जा गोले की ओर बढ़ाई।
वूऊश... वूऊश...
कोर की ऊर्जा उनके चारों ओर घूमने लगी। नीली रोशनी तेज़ हो गई।
अचानक, एक विशाल ऊर्जा झटका कक्ष में फैल गया।
आरव जमीन पर झुक गया। डॉ. करण और मीरा भी संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे थे।

मशीन की आवाज़ गूँज उठी—
“स्थिरीकरण प्रक्रिया शुरू हो रही है... लेकिन यह खतरे से खाली नहीं है।”
एटर्नी कोर के चारों ओर ऊर्जा की लहरें अब तेज़ी से घूम रही थीं, और उनका गहरा गूँजता हुआ स्वर पूरे कक्ष में गूँज रहा था।
आरव ने अपनी आँखें कोर की चमकती सतह पर टिकी और धीरे से कहा—
“अब या कभी नहीं...”



मशीन ने अपनी हथेली को कोर के बीच की ऊर्जा पर रखा।
वूऊश... ब्रूम...
नीली और सफेद रोशनी अचानक एक तेज़ तरंग में फैल गई। कोर के चारों ओर घूमती ऊर्जा रेखाएँ जोर से चमकने लगीं।
आरव, कैप्टन मीरा और डॉ. करण ने मशीन को घेर लिया। उनकी उपस्थिति मशीन के लिए सुरक्षा कवच की तरह थी।
“तुम्हारी ऊर्जा... संतुलित कर रही हूँ...” मशीन ने धीमे, गूँजते स्वर में कहा।

लेकिन कोर का प्रभाव अभी भी अस्थिर था। अचानक कमरे की दीवारें हल्की कंपन करने लगीं।
धम्म... धम्म...

एटर्ना कोर से निकली ऊर्जा की लहरें अब उनके पैरों तक पहुँच रही थीं।
आरव ने पीछे हटकर कहा,
 "यह बहुत ज़्यादा है! इसे नियंत्रण में लाना आसान नहीं होगा।"
मशीन ने जोर से कहा—
 "यह शक्ति मेरी ही नहीं... तुम्हारी भी ज़रूरत है। ऊर्जा की लहरों को गाइड करो!"

आरव ने तुरंत समझा। उसने अपने हाथ धीरे से आगे बढ़ाए और कोर के चारों ओर फैलती ऊर्जा को महसूस करने की कोशिश की।
धीरे-धीरे, मशीन और आरव की ऊर्जा ने कोर की अस्थिर तरंगों को थामना शुरू किया।

डॉ. करण ने उपकरणों से मापते हुए कहा,
 "कोर की ऊर्जा अब स्थिर होना शुरू कर रही है... लेकिन अभी भी पूरा नियंत्रण नहीं है।"
कैप्टन मीरा ने मशीन को प्रोत्साहित किया—
 "तुम कर सकते हो। बस थोड़ी और ताकत!"
कोर के बीचों-बीच की चमक धीरे-धीरे नियंत्रित होती दिख रही थी।
लेकिन तभी... एक और गहरी गूँज हुई।
एटर्ना कोर का स्वर अब पहले से भी अधिक शक्तिशाली लग रहा था, जैसे वह पूरी तरह खुद को जागृत करने की कोशिश कर रहा हो।

एटर्ना कोर की ऊर्जा अब पूरी तरह कक्ष में फैल चुकी थी।
वूऊश... ब्रूम...
दीवारों में लगे क्रिस्टल हल्की कंपन के साथ चमक रहे थे। हर कुछ सेकंड में कोर से निकलती ऊर्जा की लहरें कमरे के चारों कोनों में जाकर टकरा रही थीं।
आरव ने मशीन की ओर देखा। उसकी नीली रोशनी अब और तेज़ हो गई थी।
"मैं... स्थिरीकरण में अस्थिरता महसूस कर रहा हूँ," मशीन ने कहा।
"अगर यह पूरी तरह नियंत्रित न हुआ, तो कोर फट सकता है।"
डॉ. करण ने जल्दी से स्क्रीन देखा।
"ऊर्जा स्तर अभी भी अस्थिर है। यह सीधे कोर के हृदय में जा रही है।"
कैप्टन मीरा ने साहस जुटाया।
"हम पीछे हटने के बजाय और करीब बढ़ेंगे। तुम्हें इसे नियंत्रित करने में हमारी मदद चाहिए।"

आरव ने धीरे से कोर की चमकती ऊर्जा को छुआ। हल्की झटका महसूस हुआ, लेकिन वह रुक नहीं पाया।
धीरे-धीरे, मशीन और आरव की संयुक्त शक्ति ने कोर की अस्थिर ऊर्जा को थामना शुरू किया।
नीली और सफेद चमक अब पहले जैसी बेकाबू नहीं थी। कमरे की कंपन थोड़ी कम हुई।
मशीन ने गहरी सांस ली।
"कुछ सेकंड और... हमें इसे पूरी तरह स्थिर करना होगा।"
आरव ने धीरे से कहा,
"मुझे लगता है... हम इसे कर सकते हैं।"
लेकिन तभी, एटर्ना कोर की गहरी गूँज ने कमरे में एक नई चेतावनी बजा दी

“अनियंत्रित ऊर्जा बढ़ रही है... नियंत्रण असफल हो सकता है।”

एटर्ना कोर की गूँज अब पूरे कक्ष में गूँज रही थी।
नीली और सफेद ऊर्जा की लहरें अब उनके चारों ओर तेज़ गति से घूम रही थीं। हल्की झटके उनकी कमर तक महसूस हो रही थीं।
आरव ने घबराते हुए कहा,
“यह तेजी से अस्थिर हो रहा है! हमें जल्दी करना होगा।”

मशीन ने उसकी ओर देखा। उसकी नीली रोशनी झपक रही थी।
“तुम्हारी सहायता ज़रूरी है। अपनी ऊर्जा को मेरे साथ जोड़ो।”
आरव ने गहरी साँस ली और अपने हाथ को धीरे से कोर की ओर बढ़ाया।
हल्की बिजली जैसी झिलमिलाहट उनके हाथों से मशीन तक फैल गई।
डॉ. करण ने अपने उपकरणों से ऊर्जा का स्तर मापा।
“कोर की तरंगें अब थोड़ी स्थिर हो रही हैं। अगर यह संतुलन बना रहा, तो हम सफल हो सकते हैं।”

कैप्टन मीरा ने अपनी आवाज़ में प्रोत्साहन जोड़ा,
“आरव, तुम कर रहे हो! और हम तुम्हारे साथ हैं।”
मशीन ने धीमी, गूँजती आवाज़ में कहा—
“अब अंतिम चरण। मुझे और तुम्हारी ऊर्जा को पूरी तरह कोर में समाहित करना होगा।”

आरव ने अपने हाथों को और आगे बढ़ाया। मशीन और उसकी ऊर्जा अब कोर में फैल रही थी।
कोर की चमक धीरे-धीरे बेकाबू से स्थिर होने लगी।

लेकिन तभी... कमरे की दीवारों में लगे क्रिस्टल अचानक तेज़ चमकने लगे।
हम्म्म्म... वूऊऊ...
कक्ष में हल्की कंपन फिर से महसूस हुई।
मशीन ने चेतावनी दी—
"यह अंतिम प्रयास है। असफल होने का कोई विकल्प नहीं!"

एटर्ना कोर की चमक अचानक अस्थिर होने लगी।
वूऊश... ब्रूम...
आरव और मशीन की संयुक्त ऊर्जा के बावजूद कोर एक बार फिर बेकाबू होने लगा।
"नहीं... यह फिर से बढ़ रहा है!" डॉ. करण ने घबराकर कहा।
कैप्टन मीरा ने तुरंत आदेश दिया,
"सभी लोग पीछे हटो!"
लेकिन आरव पीछे नहीं हटा।
उसने अपनी आँखें बंद कीं और पूरी ताकत से ऊर्जा को स्थिर करने की कोशिश की।
अचानक—
कोर के भीतर एक तेज़ सफेद चमक उठी।
धाआआआम!
पूरा कक्ष हिल गया।
कुछ पल के लिए सब कुछ शांत हो गया।
...
जब रोशनी कम हुई—
कोर अब पूरी तरह शांत था।
उसकी ऊर्जा अब स्थिर और संतुलित थी।

मशीन ने धीरे से कहा—
“स्थिरीकरण... सफल हुआ।”
आरव ने गहरी साँस ली।
लेकिन उसके मन में एक अजीब सा एहसास था—
जैसे यह सब यहीं खत्म नहीं हुआ है।

कक्ष में अब गहरा सन्नाटा था।
कुछ देर पहले जहाँ एटर्ना कोर की ऊर्जा बेकाबू होकर पूरे कमरे को हिला रही थी, अब वही ऊर्जा एक शांत, स्थिर नीली रोशनी के रूप में धीरे-धीरे धड़क रही थी।
हम्म्म...

हल्की गूँज अब भी सुनाई दे रही थी, लेकिन उसमें अब खतरे की जगह एक अजीब सी स्थिरता थी।
आरव धीरे-धीरे खड़ा हुआ। उसके हाथ अभी भी हल्के काँप रहे थे।
“क्या... सच में सब खत्म हो गया?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
डॉ. करण ने अपने उपकरण की स्क्रीन देखी। कुछ सेकंड तक उन्होंने ध्यान से आँकड़े पढ़े, फिर गहरी साँस ली।

“ऊर्जा स्तर अब स्थिर है... पहले से काफी कम भी हो चुका है,” उन्होंने कहा।
“फिलहाल... कोई खतरा नहीं है।”
कैप्टन मीरा ने चारों ओर नजर दौड़ाई।
“तो इसका मतलब... हमने इसे रोक दिया।”
मशीन कुछ दूरी पर खड़ी थी। उसकी आँखों की नीली रोशनी अब पहले से धीमी थी, जैसे वह भी इस शांत पल को महसूस कर रही हो।

“तुम लोगों ने वह कर दिया... जो हमारी पूरी सभ्यता नहीं कर पाई थी,” उसने धीमे स्वर में कहा।

आरव ने उसकी ओर देखा।

“तुम्हारी सभ्यता... आखिर उनके साथ क्या हुआ था?” उसने पूछा।

कुछ सेकंड तक मशीन बिल्कुल स्थिर रही।

फिर उसने धीरे से कहा—

“वे इस शक्ति से डर गए थे... और इसे अधूरा छोड़कर चले गए।”

कक्ष में फिर से खामोशी छा गई।

लेकिन इस बार वह खामोशी अलग थी—

जैसे किसी पुराने रहस्य का दरवाज़ा अभी पूरी तरह खुलना बाकी हो...

कक्ष में फैली खामोशी अचानक टूट गई।

बीप... बीप... बीप...

नियंत्रण पैनल अपने आप चालू हो गया।

नीली स्क्रीन पर तेजी से कुछ अजीब चिन्ह उभरने लगे—ऐसे चिन्ह, जो अभी तक उन्होंने कहीं नहीं देखे थे।

डॉ. करण तुरंत आगे बढ़े।

“यह सिस्टम अपने आप एक्टिव हो गया...” उन्होंने हैरानी से कहा।

कैप्टन मीरा ने सतर्क होकर पूछा,

“क्या यह एटर्ना कोर से जुड़ा है?”

“नहीं...” डॉ. करण ने स्क्रीन को ध्यान से देखते हुए कहा,

“यह कुछ और है... कोई बाहरी सिग्नल।”

आरव भी पास आ गया। उसने स्क्रीन पर उन अजीब चिन्हों को ध्यान से देखा।

“यह... कोई भाषा लग रही है,” उसने कहा।

मशीन अचानक आगे बढ़ी। उसकी आँखों की रोशनी तेज़ हो गई।
“डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है...” उसकी गूँजती आवाज़ पूरे कक्ष में फैल गई।
कुछ सेकंड तक सिर्फ मशीन की हल्की गूँज सुनाई देती रही।
फिर—
“यह संकेत... आर्यनिक्स का नहीं है।”
तीनों एक साथ चौंक गए।
कैप्टन मीरा ने तुरंत पूछा,
“तो फिर यह कहाँ से आ रहा है?”
मशीन ने स्क्रीन की ओर देखा। अब वहाँ एक छोटा सा चमकता बिंदु दिखाई दे रहा था... जो धीरे-धीरे बड़ा हो रहा था।

“यह संकेत... अंतरिक्ष के गहरे हिस्से से भेजा गया है,” मशीन ने कहा।
आरव की धड़कन तेज़ हो गई।
“और... यह हमारी ओर बढ़ रहा है।”
कमरे में फिर से सन्नाटा छा गया—
लेकिन इस बार वह शांति नहीं, आने वाले खतरे की चेतावनी थी।

नियंत्रण कक्ष की स्क्रीन पर चमकता हुआ बिंदु अब पहले से बड़ा हो चुका था।
वह धीरे-धीरे नहीं... बल्कि तेज़ गति से उनकी ओर बढ़ रहा था।
डॉ. करण ने स्क्रीन को ज़ूम किया।
“यह कोई साधारण सिग्नल नहीं है... यह किसी वस्तु से आ रहा है,” उन्होंने गंभीर स्वर में कहा।
आरव ने घबराकर पूछा,
“मतलब... कोई अंतरिक्ष यान?”

कैप्टन मीरा ने तुरंत जवाब दिया,
"या कुछ और... जो हम अभी समझ नहीं पा रहे।"
मशीन ने अपने सिस्टम को और गहराई से सक्रिय किया। उसकी आँखों की रोशनी तेज़ हो गई।
"ऊर्जा पैटर्न का मिलान किया जा रहा है..."
कुछ सेकंड बीते।
फिर उसकी आवाज़ गूँजी—
"यह तकनीक... आर्यनिक्स की तकनीक से अलग है।"
कमरे में हल्की ठंडक फैल गई।
डॉ. करण ने धीरे से कहा,
"तो इसका मतलब... हम यहाँ अकेले नहीं हैं।"
स्क्रीन पर वह चमकता बिंदु अब एक धुंधली आकृति में बदलने लगा था। उसकी आकृति अजीब थी—न तो पूरी तरह गोल, न ही किसी सामान्य अंतरिक्ष यान जैसी।

आरव की आँखें उस पर टिक गईं।
"यह... कुछ अलग है," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
अचानक स्क्रीन पर एक नई चेतावनी चमकी—
"सिग्नल की गति बढ़ रही है..."
कैप्टन मीरा ने तुरंत आदेश दिया,
"हमें सतह पर जाना होगा। यहाँ बैठकर इंतज़ार करना ठीक नहीं है।"
मशीन ने धीरे से कहा—
"तैयार रहो... जो भी आ रहा है... वह सिर्फ देखने के लिए नहीं आ रहा।"
आरव ने एक बार फिर उस अजीब आकृति की ओर देखा—
और उसके मन में एक ही सवाल गूंज रहा था—
क्या यह नया खतरा है... या कुछ और भी बड़ा?

कैप्टन मीरा सबसे आगे बढ़ीं।
“सभी लोग, मेरे पीछे आओ। हमें तुरंत बाहर जाना होगा,” उनकी आवाज़ में अब साफ़ सख्ती थी।
आरव, डॉ. करण और मशीन तेजी से उनके पीछे-पीछे चल पड़े।
लंबा धातु का गलियारा हल्की नीली रोशनी से चमक रहा था। दीवारों पर बने अजीब चिन्ह अब पहले से ज्यादा साफ़ दिखाई दे रहे थे—जैसे वे किसी अनजानी चेतावनी दे रहे हों।
चलते-चलते आरव ने धीमे से पूछा,
“क्या तुम्हें लगता है... यह चीज़ हमारे लिए खतरा है?”
कैप्टन मीरा बिना पीछे देखे बोलीं,
“अंतरिक्ष में आने वाली हर अनजान चीज़ को पहले खतरा ही मानना पड़ता है।”

डॉ. करण ने अपने उपकरण पर नज़र डाली,
“उसकी गति लगातार बढ़ रही है... हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।”
अचानक—
पूरा गलियारा हल्का सा कांप उठा।
वूंम्म...
छत से हल्की धूल नीचे गिरने लगी।
आरव ने घबराकर चारों ओर देखा,
“यह क्या था?”
मशीन तुरंत रुक गई।
उसकी आँखें तेज़ चमकने लगीं।
“बाहरी ऊर्जा प्रभाव महसूस हो रहा है...” उसने कहा।
कैप्टन मीरा ने कदम तेज़ कर दिए,
“वह चीज़ बहुत पास आ चुकी है।”

कुछ ही सेकंड में वे मुख्य द्वार तक पहुँच गए।
दरवाज़ा धीरे-धीरे खुलने लगा—
श्श्श्श...
जैसे ही दरवाज़ा पूरी तरह खुला—
उनके सामने का दृश्य देखकर सब वहीं रुक गए।
आसमान अब वैसा नहीं था।
नीले आकाश की जगह अब गहरे बैंगनी रंग की लहरें फैल चुकी थीं...
और उनके बीच—
एक विशाल छाया धीरे-धीरे आकार ले रही थी।
आरव की साँसें थम गईं।
"वह... यही है..." उसने धीरे से कहा।

दरवाज़े के बाहर का दृश्य बिल्कुल बदल चुका था।
आसमान में फैली बैंगनी लहरें अब स्थिर नहीं थीं—वे धीरे-धीरे घूम रही थीं, जैसे कोई विशाल भंवर बन रहा हो।
उस भंवर के बीच—
वह चीज़ अब साफ़ दिखाई दे रही थी।
वह कोई सामान्य अंतरिक्ष यान नहीं था।
उसकी सतह चिकनी थी, लेकिन उस पर हल्की-हल्की रेखाएँ चल रही थीं—जैसे वह खुद ज़िंदा हो। हर कुछ सेकंड में उसका आकार थोड़ा बदलता, फिर वापस वैसा ही हो जाता।
आरव ने धीरे से कहा,
"यह... साँस ले रहा है क्या?"
डॉ. करण ने तुरंत अपने उपकरण से स्कैन किया, लेकिन स्क्रीन पर डेटा गड़बड़ आने लगा।

“मुझे सही रीडिंग नहीं मिल रही... जैसे यह खुद को छुपा रहा हो,” उन्होंने परेशान होकर कहा।

अचानक—

उस अजीब संरचना के बीच में एक गोल हिस्सा चमकने लगा।

धीरे-धीरे वहाँ एक दरार सी बनी...

और फिर—

वह हिस्सा खुल गया।

अंदर से तेज़ सफेद रोशनी बाहर आई।

सबने अपनी आँखें ढक लीं।

कुछ सेकंड बाद—

रोशनी थोड़ी कम हुई।

और उस रोशनी के बीच... एक परछाई खड़ी थी।

मानव जैसी... लेकिन पूरी तरह मानव नहीं।

उसका शरीर लंबा और पतला था। उसकी त्वचा हल्की चमक रही थी, जैसे उस पर कोई ऊर्जा बह रही हो।

सबसे डरावनी चीज़ उसकी आँखें थीं—

वे पूरी तरह चमकीली थीं... बिना किसी पुतली के।

सीधे आरव की ओर देख रही थीं।

आरव का दिल जोर से धड़कने लगा।

“यह... हमें देख रहा है...” उसने धीमे से कहा।

मशीन अचानक आगे बढ़ी।

उसकी आवाज़ पहली बार थोड़ी बदल गई थी—

“सावधान रहो... यह ऊर्जा एटर्ना कोर से जुड़ रही है।”

जैसे ही उसने यह कहा—

आसमान में बनी बैंगनी लहरें अचानक तेज़ हो गईं।

वह आकृति एक कदम आगे बढ़ी।
और उसी पल—
आर्यनिक्स की जमीन हल्के से कांप उठी।
वूंम्म...

कैप्टन मीरा ने तुरंत अपना हथियार तैयार किया।
“कोई भी अचानक हरकत नहीं करेगा,” उन्होंने सख्त आवाज़ में कहा।
लेकिन तब—
कुछ ऐसा हुआ जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी।
वह आकृति अचानक रुकी...
और उसने अपना हाथ धीरे-धीरे आगे बढ़ाया।
हमले के लिए नहीं—
बल्कि... जैसे वह कुछ देना चाहती हो।
या... कुछ मांग रही हो।

आरव की आँखें उस हाथ पर टिक गईं।
उसके दिमाग में एक अजीब सी आवाज़ गूँजी—
कोई शब्द नहीं...
लेकिन एक साफ़ एहसास—
“समय आ गया है...”
आरव ने एक कदम आगे बढ़ाया—
और उसी पल—
मशीन जोर से बोली—
“रुको! यह संपर्क सुरक्षित नहीं है!”
हवा भारी हो गई।

एक तरफ अजनबी आकृति का बढ़ा हुआ हाथ...
दूसरी तरफ मशीन की चेतावनी...
और बीच में—
आरव।
उसका अगला कदम तय करेगा—
यह मुलाकात दोस्ती की शुरुआत बनेगी...
या एक नई तबाही की।

आरव का कदम हवा में ही रुक गया।
मशीन की चेतावनी अब भी उसके कानों में गूँज रही थी—
“यह संपर्क सुरक्षित नहीं है!”
लेकिन दूसरी तरफ—
वह अजनबी आकृति अब भी शांत खड़ी थी, उसका हाथ आगे बढ़ा हुआ...
बिना किसी जल्दबाज़ी के।
जैसे उसे पूरा यकीन हो कि अगला कदम आरव ही उठाएगा।
कैप्टन मीरा ने सख्त आवाज़ में कहा,
“आरव, पीछे हटो। हम नहीं जानते यह क्या है।”
डॉ. करण भी चिंतित दिख रहे थे,
“इसकी ऊर्जा सीधा कोर से जुड़ रही है... यह सामान्य नहीं है।”
कुछ पल के लिए सब कुछ थम गया।
हवा तक जैसे रुक गई हो।
आरव की नज़र उस आकृति की आँखों में अटक गई।
और तभी—
उसके दिमाग में एक तेज़ झटका सा लगा।
जैसे कोई याद... जो उसकी अपनी नहीं थी।

एक विशाल शहर...

आसमान में उड़ती संरचनाएँ...

नीली ऊर्जा से भरा एक कोर...

और फिर—

सब कुछ अचानक नष्ट होता हुआ।

ध्वनि नहीं थी...

लेकिन विनाश साफ़ दिखाई दे रहा था।

आरव ने झटके से आँखें खोल दीं।

वह भारी साँस लेने लगा।

“यह... यह हमें कुछ दिखा रहा है...” उसने हाँफते हुए कहा।

मशीन तुरंत सतर्क हो गई,

“यह सीधे तुम्हारे दिमाग से संपर्क कर रहा है!”

कैप्टन मीरा ने और सख्त आवाज़ में कहा,

“अब बस! पीछे हटो, यह आदेश है!”

लेकिन इस बार—

आरव पीछे नहीं हटा।

उसने धीरे से कहा,

“यह हमला नहीं कर रहा... यह चेतावनी दे रहा है।”

अजनबी आकृति का हाथ अब भी वहीं था—

स्थिर... इंतज़ार करता हुआ।

आसमान में बैंगनी लहरें अब और तेज़ घूमने लगी थीं।

जमीन फिर से हल्के-हल्के कांपने लगी।

डॉ. करण ने घबराकर कहा,

“अगर यह कनेक्शन पूरा हुआ... तो कुछ बड़ा हो सकता है!”

कुछ सेकंड...

बस कुछ सेकंड का फैसला था।

आरव ने अपनी मुट्ठी कस ली।

उसकी आँखों में अब डर नहीं था—

सिर्फ़ एक फैसला।

वह धीरे-धीरे आगे बढ़ा...

और अपना हाथ उस आकृति की ओर बढ़ाया।

जैसे ही दोनों हाथ करीब आए—

मशीन जोर से चिल्लाई—

“नहीं!!”

और उसी पल—

दोनों के हाथ आपस में छू गए।

एक तेज़ ऊर्जा लहर पूरे क्षेत्र में फैल गई।

आसमान की बैंगनी लहरें अचानक सफेद चमक में बदल गईं।

और आर्यनिक्स—

एक बार फिर जाग उठा।

जैसे ही आरव और उस आकृति के हाथ आपस में मिले—

पूरे क्षेत्र में एक तेज़ ऊर्जा लहर फैल गई।

वूंऊऊऊऊश्श्श...!

आसमान की बैंगनी लहरें अचानक सफेद चमक में बदल गईं।

ज़मीन के नीचे से नीली रोशनी की रेखाएँ निकलकर चारों ओर फैलने लगीं —जैसे पूरा आर्यनिक्स फिर से सक्रिय हो रहा हो।

कैप्टन मीरा पीछे हट गईं,

“आरव! दूर हटो!”

लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी।

आरव की आँखें चमक उठीं—नीली रोशनी से।

वह वहीं खड़ा था... लेकिन अब जैसे वह अकेला नहीं था।

उसके दिमाग में तेज़ी से दृश्य बदलने लगे—

अजनबी सभ्यता...

विशाल ऊर्जा संरचनाएँ...

और वही एटर्नी कोर... लेकिन कई गुना बड़ा...

एक गूँजती हुई आवाज़ उसके अंदर सुनाई दी—

“तुमने... इसे फिर से जगा दिया...”

आरव ने अंदर ही अंदर जवाब देने की कोशिश की,

“तुम कौन हो?”

कुछ पल के लिए सब कुछ शांत हो गया।

फिर—

“हम... इसके रक्षक थे।”

उसी क्षण—

मशीन अचानक आगे बढ़ी। उसकी आवाज़ पहले से ज्यादा तेज़ और चेतावनी भरी थी।

“कनेक्शन तुरंत तोड़ो! यह सिस्टम ओवरलोड कर रहा है!”

डॉ. करण ने घबराकर अपने उपकरण को देखा,

“कोर की ऊर्जा फिर से बढ़ रही है!”

ज़मीन जोर से काँपने लगी।

धड़ाम... धड़ाम...

कैप्टन मीरा चिल्लाईं,

“अगर यह नहीं रुका तो पूरा ढांचा फिर से टूट सकता है!”

लेकिन आरव अभी भी वहीं खड़ा था।

उसके और उस आकृति के बीच अब एक चमकती हुई ऊर्जा की रेखा बन चुकी थी।

अचानक—

उस आकृति की आँखें और तेज़ चमकने लगीं।

और उसने धीरे से कहा—

“तुम समझ नहीं रहे... यह जागना ज़रूरी था।”

आरव का दिल तेज़ी से धड़कने लगा।

“क्यों?”

कुछ सेकंड के लिए सब कुछ शांत हो गया।

फिर—

आसमान में चमकती सफेद रोशनी के बीच एक नया दृश्य उभरा—

दूर अंतरिक्ष में...

कई और वही जैसी संरचनाएँ दिखाई देने लगीं।

डॉ. करण की आवाज़ काँप गई,

“यह... यह अकेला नहीं है...”

मशीन ने गंभीर स्वर में कहा—

“यह संकेत... बुलावा है।”

कैप्टन मीरा ने घबराकर पूछा,

“किसके लिए?”

मशीन ने धीरे-धीरे जवाब दिया—

“उन सबके लिए... जो इसे ढूंढ रहे हैं।”

अचानक—

ऊर्जा की लहर और तेज़ हो गई।

आरव ने महसूस किया कि उसका शरीर उस ऊर्जा को सह नहीं पा रहा।

उसने पूरी ताकत से अपना हाथ पीछे खींचने की कोशिश की—

और—

धाआआम!

कनेक्शन अचानक टूट गया।

वह ज़मीन पर गिर पड़ा।

आसमान की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगी।

लेकिन अब—

सब कुछ पहले जैसा नहीं था।

क्योंकि उन्होंने सिर्फ़ एक कोर को स्थिर नहीं किया था—

उन्होंने कुछ और... जगा दिया था।



धाआम के बाद—

कुछ पल के लिए सब कुछ शांत हो गया।

ना कोई कंपन...

ना कोई तेज़ रोशनी...

बस हवा में फैली हल्की नीली चमक।

आरव ज़मीन पर गिरा हुआ था। उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं।

“आरव!” कैप्टन मीरा तुरंत उसकी ओर दौड़ीं।

डॉ. करण भी पास आ गए,

“वह ठीक है... बस बहुत ज़्यादा ऊर्जा झेल ली है।”

आरव ने धीरे-धीरे अपनी आँखें खोलीं।

उसकी नज़र सबसे पहले आसमान की ओर गई।

बैंगनी लहरें अब गायब हो चुकी थीं।

आसमान फिर से शांत था—

लेकिन पूरी तरह सामान्य नहीं।

उसमें अब एक हल्की चमक बनी हुई थी... जैसे कुछ छिपा हुआ हो।

आरव ने धीमी आवाज़ में कहा,

“वे... आ रहे हैं...”

कैप्टन मीरा ने चौंककर पूछा,

“कौन?”

आरव ने मुश्किल से उठते हुए कहा,

“जो भी यह कोर ढूंढ रहे हैं... अब उन्हें पता चल गया है कि यह यहाँ है।”

मशीन कुछ दूरी पर खड़ी थी।

इस बार उसकी आवाज़ में एक अलग तरह की गंभीरता थी—

“सिग्नल भेजा जा चुका है...”

डॉ. करण ने घबराकर पूछा,

“क्या हम इसे रोक सकते हैं?”

मशीन ने कुछ सेकंड तक कोई जवाब नहीं दिया।

फिर धीरे से बोली—

“नहीं।”

कमरे में सन्नाटा छा गया।

कैप्टन मीरा ने गहरी साँस ली।

“तो हमारे पास कितना समय है?”

मशीन ने आसमान की ओर देखते हुए कहा—

“कम।”

आरव धीरे-धीरे खड़ा हुआ।

अब उसके चेहरे पर डर नहीं था।

सिर्फ़ एक समझ थी—

कि यह अंत नहीं है।

यह तो बस शुरुआत है।

उसने दूर आसमान की ओर देखा...

जहाँ हल्की चमक अब भी बनी हुई थी।

और फिर धीरे से कहा—

“हमें तैयार होना होगा।”

कैप्टन मीरा ने उसकी ओर देखा,

“किसके लिए?”

आरव ने जवाब दिया—

“उनके लिए... जो आ रहे हैं।”

हवा फिर से शांत हो गई।

लेकिन इस बार—

वह शांति आने वाले तूफान से पहले की थी।

(Part 1* समाप्त... आगे की कहानी *Part 2* में*)

आगे क्या होगा?

क्या वे सच में आ रहे हैं?
क्या आरव और उसकी टीम इस नए खतरे का सामना कर पाएगी?
और एटर्नी कोर का असली रहस्य क्या है?
इन सभी सवालों के जवाब मिलेंगे—
***Part 2* में...**



Please hamari
team ko is button
pe click kar ke
review de

GIVE REVIEW

Written by
RAHUL KUMAR

Part 2 — Coming Soon

वे आ रहे हैं....

PART 1

> जब आसमान चुप हो जाए,
> और रहस्यमयी ऊर्जा धरती को छूने लगे...
> तब शुरु होती है एक ऐसी कहानी,
> जहाँ डर, साहस और दोस्ती
> एक नए **future** की ओर ले जाते हैं।

एक अज्ञात शक्ति, एक छूपा हुआ संदेश,
और तीन दोस्त — जो बन जाते हैं
मानवता की **आखिरी उम्मीद**!



WHAT'S INSIDE?

- Thrilling Sci-Fi Adventure
- Mystery, Action & Emotions
- Powerful Friendship Story
- A Glimpse of the Unknown World
- Perfect for Young Readers

"कभी-कभी, जो हमें **डराता है** — वही हमें **बदल देता है**।"



ABOUT THE AUTHOR

Rohul Kumar एक युवा लेखक हैं,
जो विज्ञान, कल्पना और भावनाओं को
एक नई कहानी की शक्ल देते हैं।
उनकी कहानियों सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं,
बल्कि महसूस करने के लिए होती हैं।

ISBN 978-93-XXXX-XXXX-X

9 7893XX XXXXXX

MRP : ₹299/-

EXPLORE. BELIEVE. SURVIVE.